Treatment of Polluting Effluents in Pursuance of the Global Environment Convention

3063. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) the steps being taken in pursuance of the Global Environment Convention signed by India with other countries to adopt eco-friendly technologies and for treatment of polluting effluents, in respect of chemicals and fertilizer industries; and

(b) the expenditure so far incurred by Government and the progress made in regard thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS (CAPT. JAI NARAIN PRASAD NISHAD): (a) and (b) The Government has not signed any Convention by the name "Global Environment Convention". There is a proposal to set up an Indian Centre for Promotion of Cleaner Technologies with a two million dollars grant-in-aid from the World Bank for the propose assisting in collection, collation, and dissemination of information on clean technologies.

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन तथा मध्याह्न भोजन योजना के लिए आवंटित धनराशि का उपयोग न किया जाना

3064. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय साक्षरता मिशन तथा मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन हेतु आवंटित धनराशि गुजरात सहित अन्य राज्यों में व्यय नहीं की गई है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजनाओं के लिए वर्ष 1993-94, 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई;

(ग) उक्त वर्णित वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रमुख त्रुटियां पाई गई हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री छुट्टी राम रौतिया): (क) से (ग) वर्ष 1993-94, 94-95 और 95-96 में राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम के लिए आवंटित कार्यक्रम के लिए आवंटित कुल धन राशि 625.79 करोड़ रु० और मध्याह्न भोजन योजना के लिए 611.79 करोड़ रु० थी। वर्ष 1993-94, 94-95 और 95-96 के दौरान राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यय की गई धनराशि क्रमशः 97.58 करोड़ रु०, 166.39 करोड़ रु० और 206.90 करोड़ रु० थी और 15 अगस्त, 1995 से शुरू की गई मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत व्यय की गई धनराशि 441.38 करोड़ रु० थी। विशेष रूप से हिन्दी भाषी राज्यों में साक्षरता अभियान की धीमी प्रगति और विनिर्दिष्ट प्रौढ़ शिक्षा योजनाओं को शुरू करने के लिए राज्य सरकार से प्रतिक्रिया प्राप्त न होने की वजह से राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम के लिए आवंटित धनराशि को खर्च करने में कमी आई। मध्याह्न भोजन योजना के लिए व्यय में कमी आने का वास्तविक कारण यह था कि कुछ राज्य-सरकारों ने इस योजना को अपनाने और शुरू करने में समय लिया।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता।

Appeal for Donation for the Cyclone Victims of Andhra Pradesh

3065. SHRI K.M. KHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether National Commission for Women has made appeals for donation to people for weaver families of Amalapuram and Mummadivaram Mandals of Andhra Pradesh whose homes and looms have been destroyed in the recent cyclone;

(b) if so, the details thereof alongwith the amount collected so far;

(c) whether the amount of donation collected has been handed over to the